Gopal's Banking Expedition

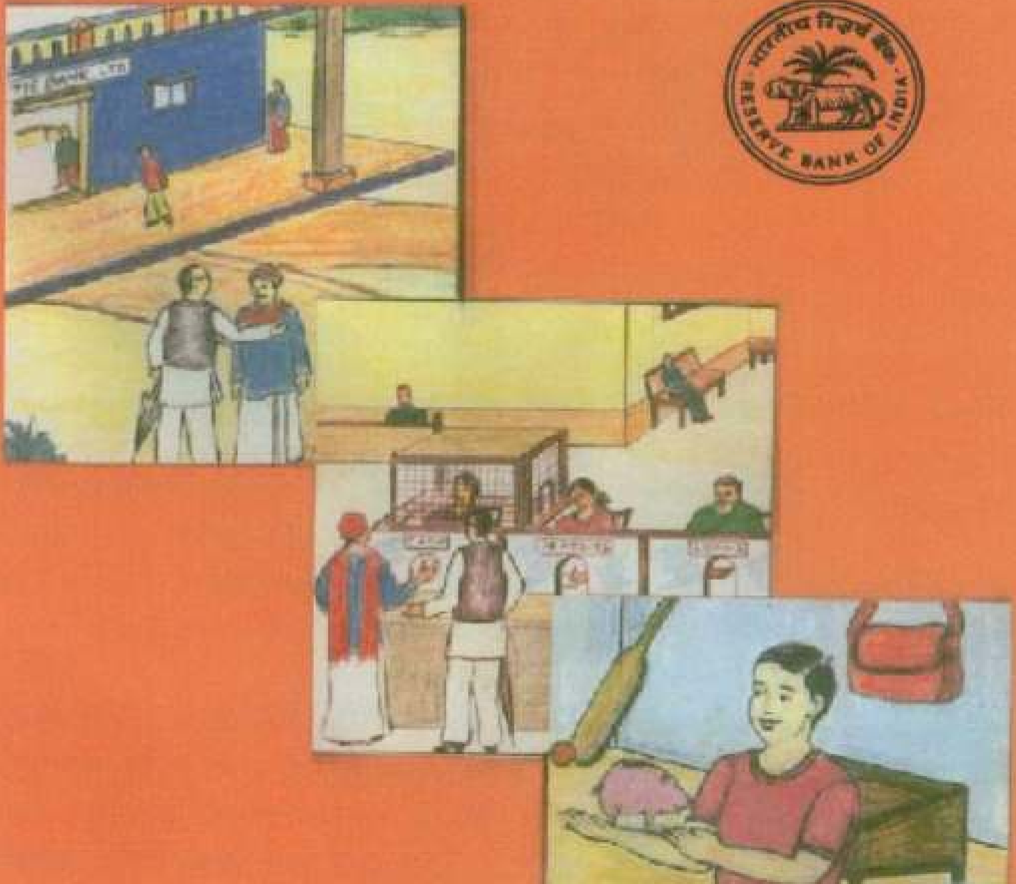

The Financial Education Series

An educational initiative
of Reserve Bank of India
Bangalore

BOOK - 2

The Financial Education Series published by Reserve Bank of India Bangalore.

© Reserve Bank of India, July 2007
All rights reserved. Reproduction permitted provided an acknowledgment of the source is made.

Financial Education initiatives of the Reserve Bank of India are for providing general information to the common persons. For official information from the Reserve Bank of India, please visit www.rbi.org.in

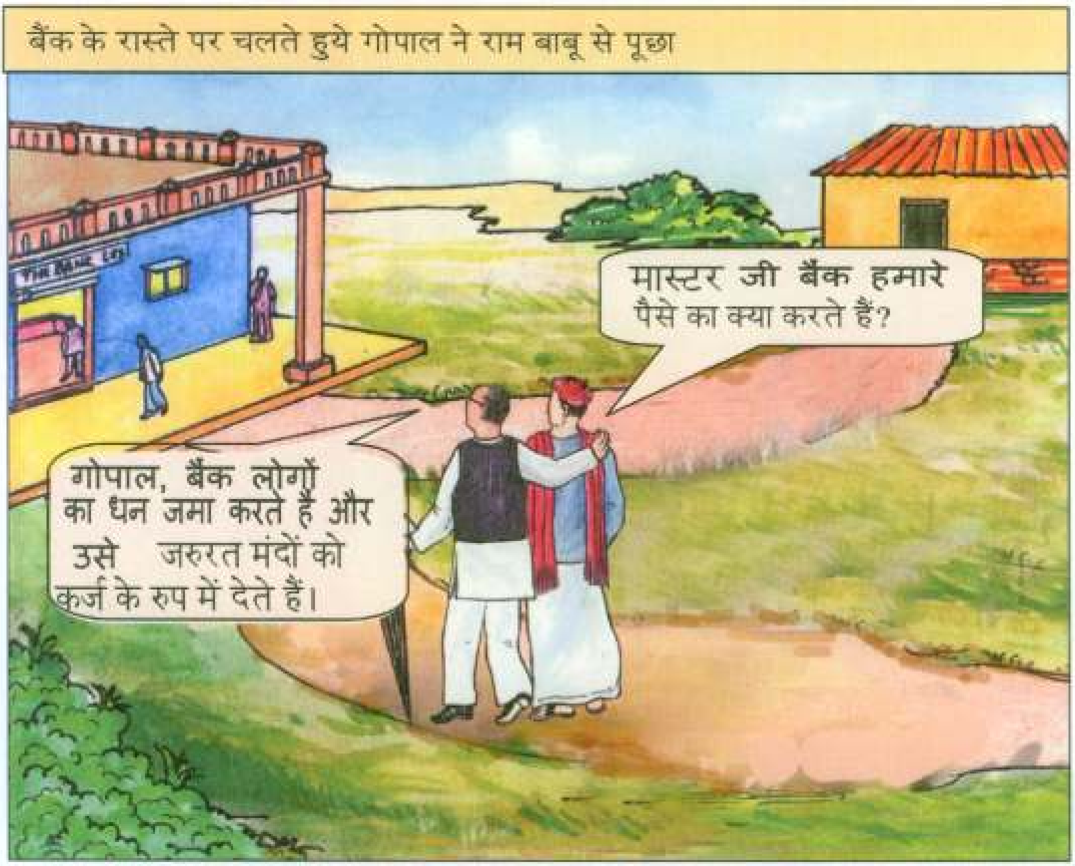
बैंक के रास्ते पर चलते हुये गोपाल ने राम बाबू से पूछा
मास्टर जी बैंक हमारे पैसे का क्या करते हैं?
गोपाल, बैंक लोगों का धन जमा करते हैं और उसे जरुरत मंदों को क़र्ज के रुप में देते हैं।

राम बाबू जी एवं गोपाल बैंक में पहुँचकर प्रबंधक सतीश से मिलते हैं।
स्वागत है, आप कैसे हैं ? मैं आपकी क्या सहायता कर सकता हूँ ?
सतीश मैं ठीक हूँ। ये गोपाल हैं और ये एक बचत खाता खोलना चाहते हैं।

सतीश गोपाल को खाता खोलने का फॅार्म तथा खाता खोलने संबंधी औपचारिकताओं जैसे फोटो, पहचान, नामांकित का विवरण, पहचान प्रमाण आदि के बारे में बताया।

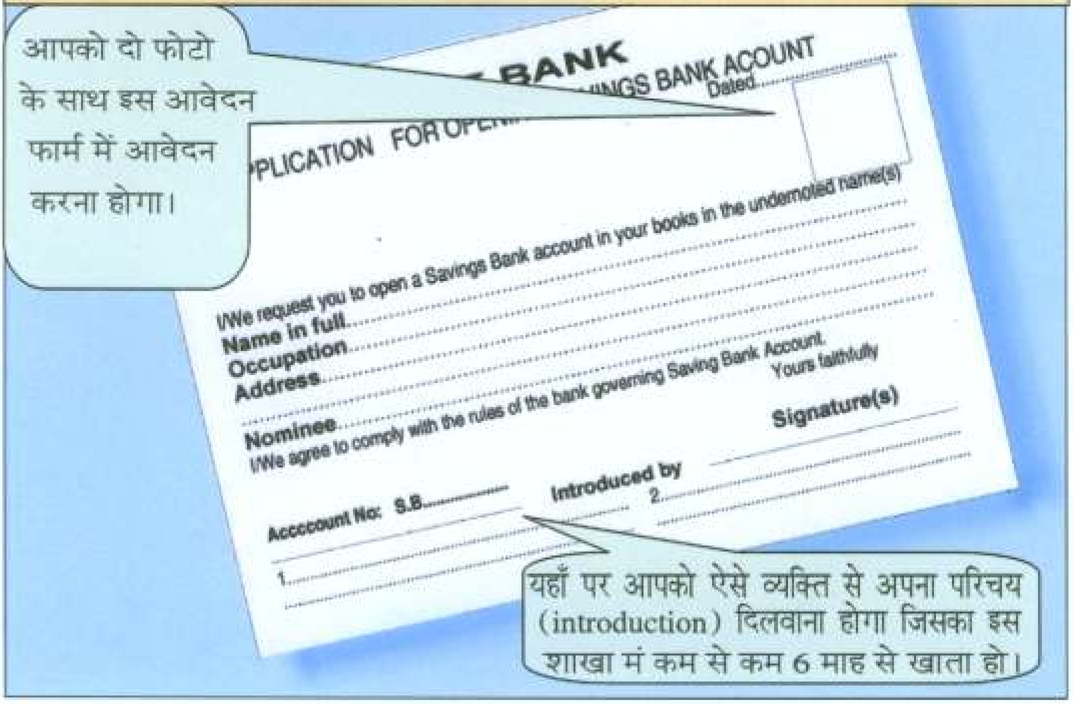

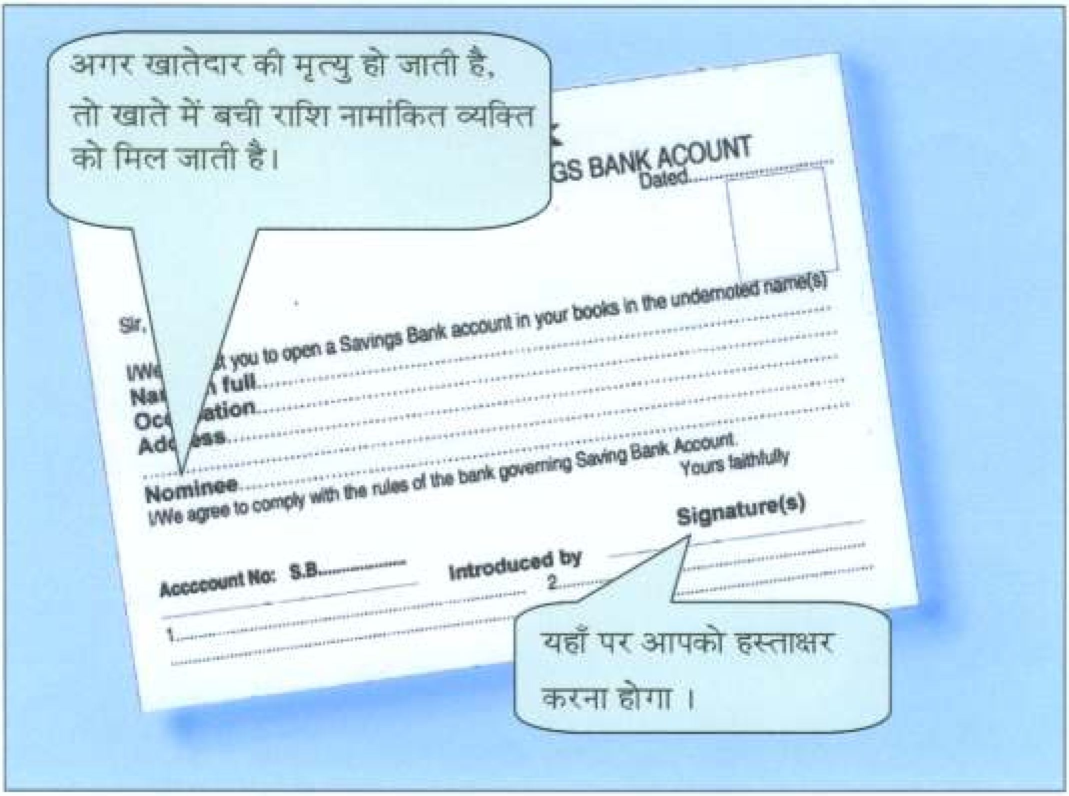

सतीश उसको उन कागजों के बारे में बताता है जो बैंक द्वारा पते का प्रमाण और स्वयं की पहचान के प्रमाण के तौर पर स्वीकार किए जाते है। बैंक द्वारा स्वीकृत कुछ दस्तावेज हैं राशन कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट,ड्राइविंग लाइसेन्स, वोटर पहचान पत्र इत्यादि ।

सतीश गोपाल को कुछ शुरुआती जमा राशि आवश्यकताओं के बारे में बताता है -

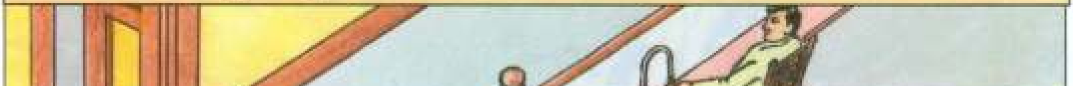

* यह राशि हर बैंक में अलग - अलग हो सकती है।

\# इस समय यह 3.5% सालाना है।

गोपाल ब्याज के बारे में पूछता है।

राम बाबूजी गोपाल का परिचय देने का प्रस्ताव देते है किन्तु गोपाल दुखी है।

** नो फ्रिल एकाउन्ट के अन्तर्गत आप बहुत कम पैसे के साथ एकाउन्ट खोल सकते हैं। कोई न्यूनतम बैलेन्स रखने की आवश्यकता नहीं है। एकाउन्ट में निल बैलेन्स हो सकता है। सरलीकृत 'अपने ग्राहक को जानो' मानकों के अन्तर्गत परिचय करवाने वाला, आवेदनकर्ता का फोटो और पता प्रमाणित कर सकता है।

गोपाल आर.बी.आई. के बारे में पूछता है। राम बाबू जी गोपाल को आर.बी.आई. के बारे में बताते है-

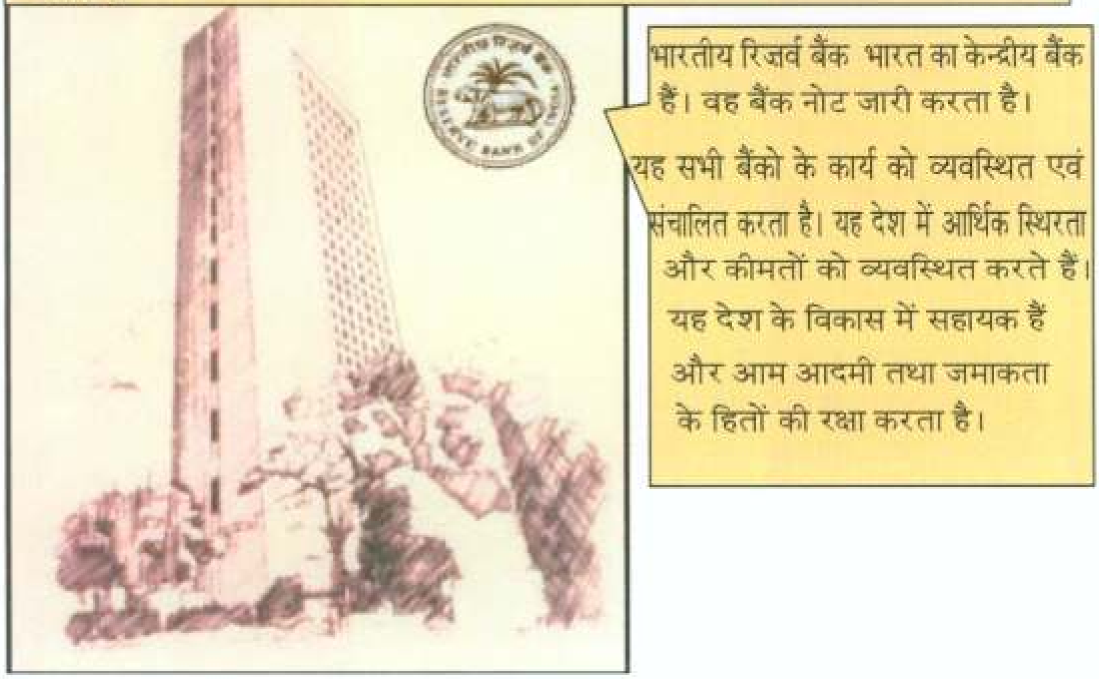

गोपाल खाता खोलने के लिए फार्म भरता है और पैसे जमा पर्ची भरने के बाद कैश काउंटर पर जमा करता है ।

कैश जमा करना आसान प्रक्रिया है। यह जमा पर्ची गोपाल भरता है।

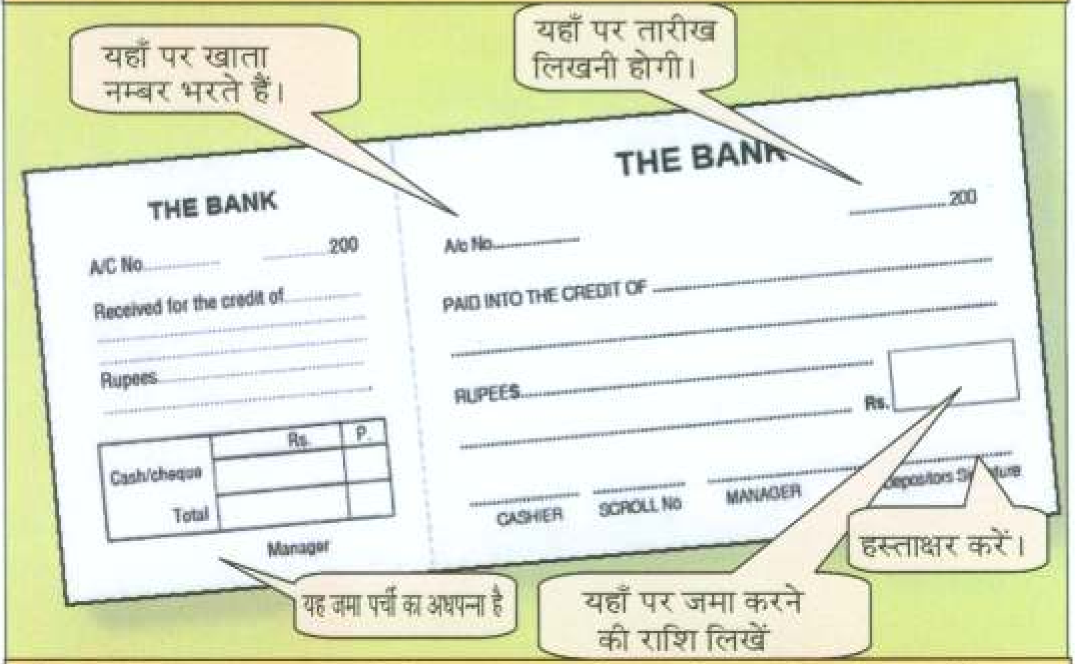

बैंक यह अधपन्ना ठप्पा लगाने के बाद वापस करेगा । गोपाल इसेअपने रिकार्ड हेतु रख सकता है।

गोपाल एक 'नो फ्रिल' एकाउन्ट खोलता है और उसे एक पासबुक मिलती है।

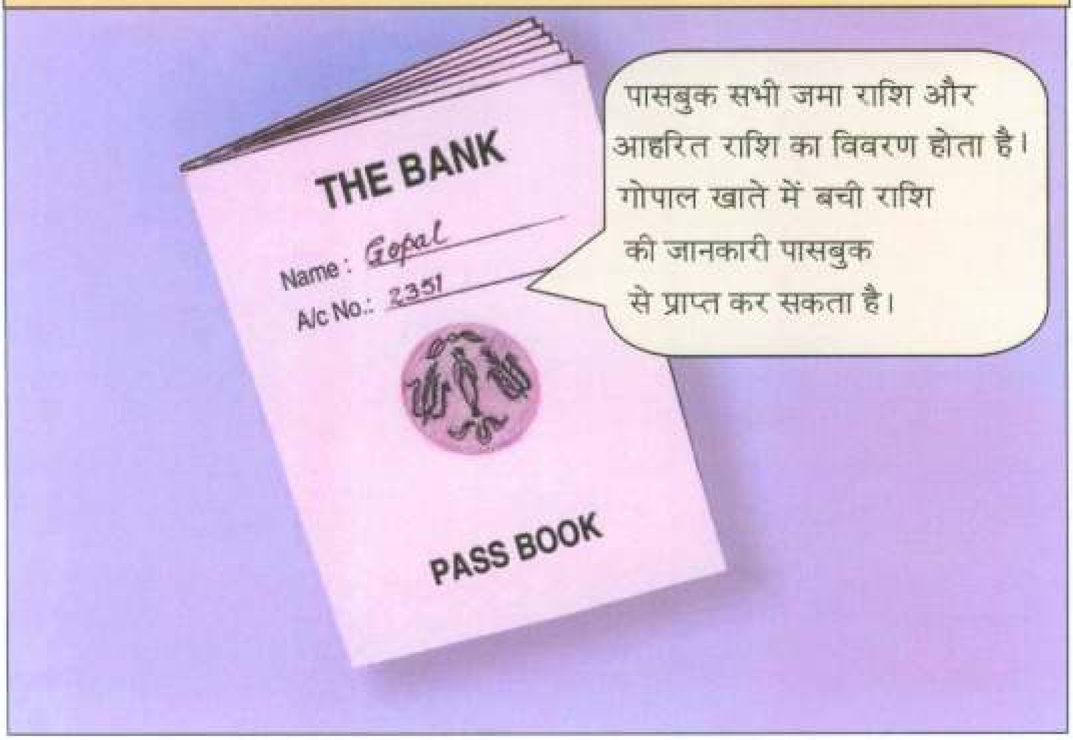

राम बाबू जी गोपाल को आहरणपर्ची के बारे में बताते हैं जिसे पैसे निकालने के लिए प्रयोग किया जाता है। गोपाल खुश है कि यह आसान प्रक्रिया है।

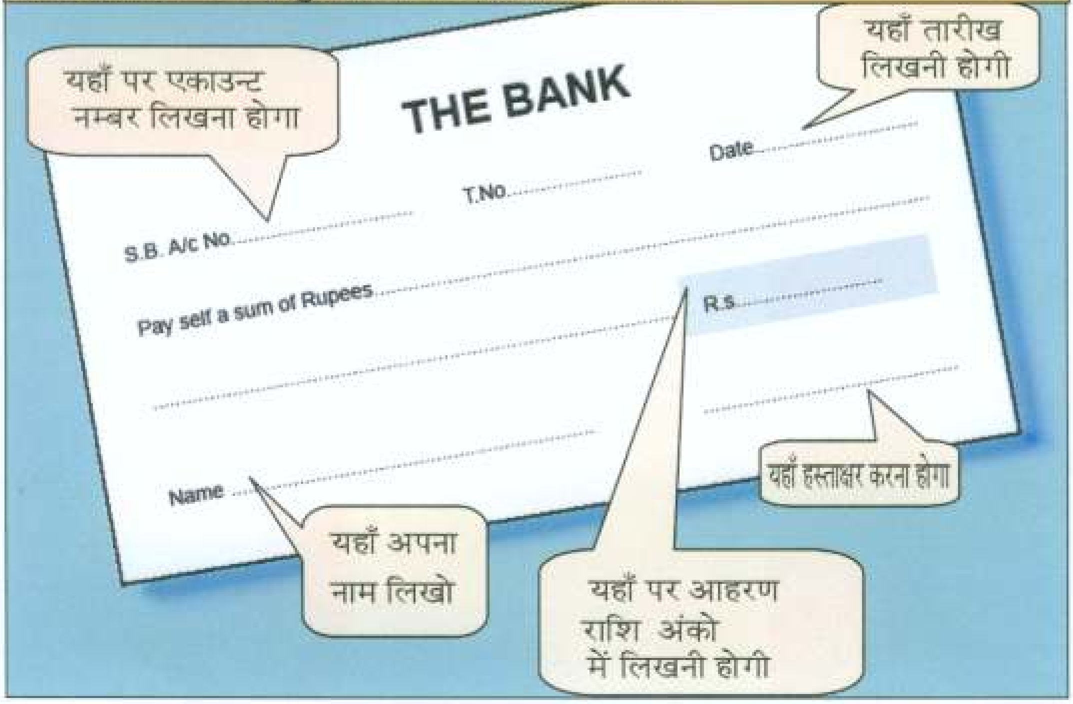

एक महीने बाद, गोपाल की पड़ोसिन सुमा, गोपाल और राम बाबूजी पेड़ के नीचे चर्चा कर रहे हैं-

सुमा और गोपाल सावधि जमा खाते के बारे में पूछते हैं।

राम बाबू जी समझाते है - बचत खाते की तरह इसमें से जब - तब पैसे निकाल नहीं सकते। खाता खोलते समय इसकी अवधि निर्धारित करनी होती है। उदाहरण अगर तुम एक सावधि जमा खाता पाँच साल के लिए खोलते हो तो यहाँ जमा राशि पाँच साल बाद मिलती है।इसमें ब्याज बचत खाते से ज्यादा मिलता है।

राम बाबू जी आगे कहते हैं . . . .

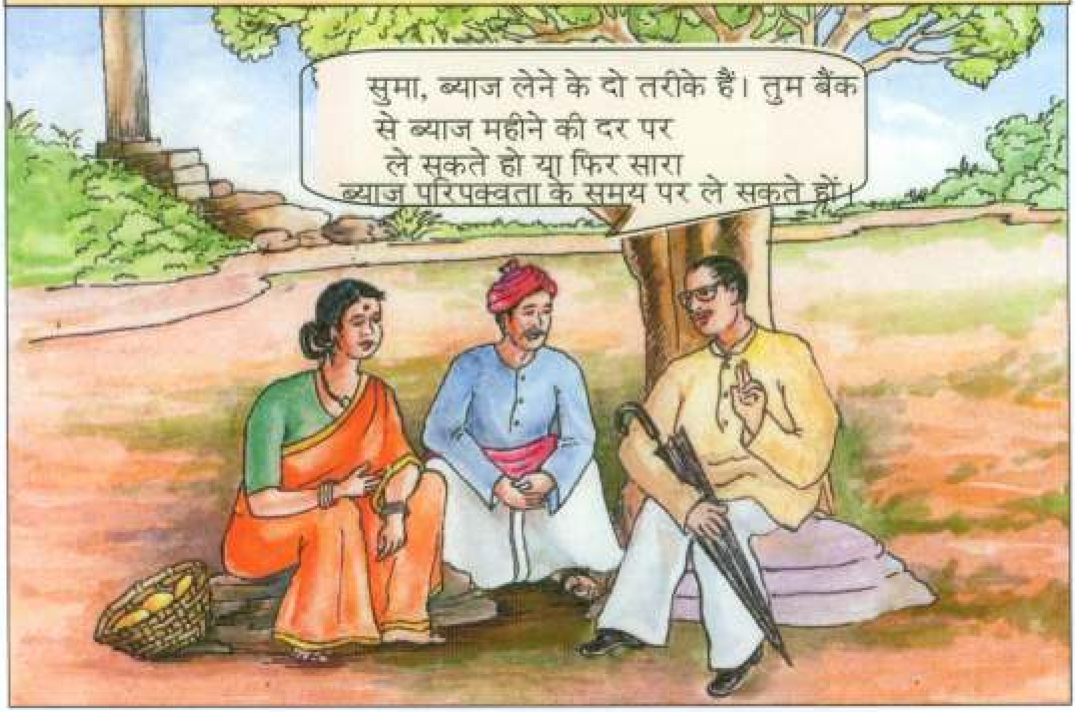

सुमा, सावधि खाता खोलने के लिए फार्म भर रही है । उसे एक सावधि खाता रसीद मिली जिसमें उसके खाते का विवरण दिया हुआ है जैसे नाम, खाता नम्बर, जमा राशि, परिपक्व राशि और खाते की अवधि ।

परिपक्वता वह समय होता है जब सावधि खाते की अवधि पूरी हो जाती है। इस खाते में पास बुक नहीं होती है।

हरी स्थानीय बाजार में दूध बेचता है। वह अपनी कमाई का एक हिस्सा बैंक में जमा करना चाहता है पर उसे इस विषय पर संदेह है। वह एक दिन राम बाबू जी को दूध देने गया -

बाजार में गोपाल ने दुकानदारों को किसी व्यक्ति को पैसा देते हुए देखा -

चायवाला समझाता है कि वह प्रतिदिन बैंक नहीं जा सकता अत: बैंक से एक व्यक्ति प्रतिदिन मुझसे और कई दुकानदारों से पैसे लेने आता है, जिनके पास भी मेरी तरह का ही खाता है। यह सेवा छोटे दुकानदरों के लिए बहुत अच्छी है। जिससे हम निश्चित राशि रोज या हफ्ते या महीने की दर पर जमा कर सकते है।

एक दिन राम बाबूजी बीमार थे और उन्हें उस दिन पैसों की सख्त जरुरत थी। अत: उन्होने गोपाल को बुलाकर उनके खाते से पैसा निकालने को कहा।

राम बाबू जी समझाते है- चेक भी एक तरह की आहरण पर्ची है पर इसका फायदा यह है कि इसके लिए हमें बैंक नहीं जाना पड़ता । तुम चेक से दूसरों को भी पैसा दे सकते हो, नकद राशि की जगह । अगर तुम्हारे खाते में वह राशि है तो बैंक उस व्यक्ति को वह राशि दे देगा।

चेक का नमूना

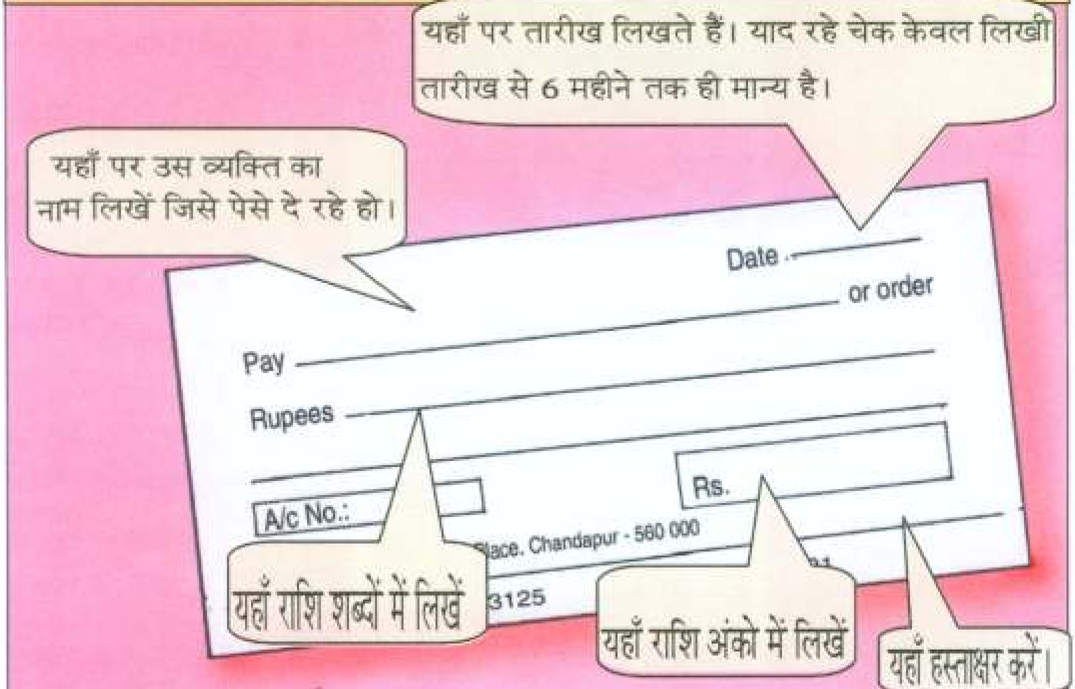

गोपाल चेक के साथ बैंक जाता है और उसे सतीश जो मैनेजर है उसे देता है। वहाँ वह एक व्यक्ति को डिमांड ड्राफ्ट लेते देखता है।

गोपाल डिमांड ड्राफ्ट के बारे में पूछता है।

प्रबंधक समझाते हैं कि अगर तुम नकद राशि कहीं ले जा रहे हो और तुम उसे खो देते हो तो तुमने उसे हमेशा के लिए खो दिया है। लेकिन अगर तुम एक डिमांड ड्राफ्ट खो देते हो तो तुम उसकी अनुलिपि ले सकते हो, एक लिखित आग्रह बैंक को लिखकर । जिस व्यक्ति को तुम डिमांड ड्राफ्ट भेजते हो उसे तुरंत वह राशि मिल जाती है क्योंकि तुम वह राशि डिमांड ड्राफ्ट लेते समय जमा कर चुके होते हो।

गोपाल रामबाबू जी के पास लौटता है और उन्हें पैसे वापस देता है। गोपाल को संदेह होता है -

ATM एक मशीन है जिससे तुम अपने खाते से किसी भी दिन किसी भी समय पैसे निकाल सकते हो। ATM शहरों मे ज्यादा होते हैं। पर अब कुछ बैंक गाँवो में भी ATM मशीन लगा रहे हैं।

तुम्हें एक पिन संख्या दी जाती है और ATM कार्ड डालने पर वह संख्या लिखनी होती है। यह संख्या तुम्हारे खाते को संचालित करती है अत: यह संख्या किसी को बतानी नहीं चाहिए।

एक दिन गोपाल गुल्लू को एक गुल्लक उपहार में देता है। गुल्लू पूँछता है

यह जमा खाता 12 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए है। इससे कम उम्र के बच्चों के लिए नाबालिग खाता खोला जा सकता है जो उनके माता-पिता चलायेंगे।

गोपाल गुल्लू को बैंक ले जाता है और वहाँ एक बच्चों का बचत खाता खुलवाता है।

कुछ बैंक ऐसे खातों में निल बैलेन्स पर भी परिचालन करने की अनुमति देते है। जो बच्चे होस्टल में पढते हैं उनके लिए यह बहुत उपयोगी है क्योंकि पैसा बैंक में सुरक्षित रहता है। यह बच्चों में बचत करने की भी आदत डालता है। एकाउन्ट खोलने के लिए उन्हें परिचय प्रमाण तथा उम्र प्रमाण भी चाहिए होगा । यदि उनके माता-पिता का एकाउन्ट उस बैंक में है, तो वे बिना इन प्रमाण पत्रों के भी अपने बच्चे का परिचय दे सकते हैं उसका खाता खुलवाने के लिए।

कुछ हफ्तों बाद, गोपाल राम बाबू जी से मिलता है।

निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम जो भारतीय रिज़र्व बैंक का अंश है, तुम्हारे खाते में एक लाख रुपए तक की राशि बीमित करता है। यदि बैंक बन्द हो जाता है, निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम तुम्हारे खाते में एक लाख रुपए तक की राशि तुम्हें वापस करेगा।

गोपाल के कुछ और प्रश्न है. . . . . .

रामबाबू जी आगे बताते हैं कि यदि तुम्हे एक माह के अन्दर बैंक से उत्तर नहीं मिलता या उत्तर संतोषजनक नहीं है, तो तुम अपने प्रान्त के भारतीय रिज़र्व बैंक कार्यालय में बैंकिंग लोकपाल से शिकायत कर सकते हो।

फिर रामबाबू जी समझाना शुरु करते है. . . . .

आगे जारी रखा जाएगा . . . .

The Financial Education Team
Bangalore.

Story / Script

Mohana, Shriti, Shilpi, Sumita,
Amarvir, Sourabh, Dhiraj & Rajesh

Illustrations by

Mohanraj Murthy

The Financial Education Series

As part of its developmental initiatives RBI has undertaken financial education of the common man.

The Financial Education Series of books seek to educate the common man about banking, deposit and loan facilities available and also about general financial matters. For more information from the Reserve Bank of India, please visit www.rbi.org.in.

Reserve Bank of India
10/3/8, Nrupathunga Road
Bangalore 560001
finlit@rbi.org.in